हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मुख्य संचालक समिति श्री हनुमान मंदिर सूर्यकुंड धाम मंडल की बैठक

श्री श्री 1008 श्री ब्रह्मलीन भारती महाराज जी सिद्ध संत मुख्य संचालक समिति हनुमान मंदिर सूर्यकुंड धाम सकवाह मंडला दिनक 26.4.2026 दिन रविवार को मुख्य संचालक समिति श्री हनुमान मंदिर सूर्यकुंड धाम सकता मंडल की बैठक सर्व संपत्ति से बैठक संपन्न की गई श्रीमान अध्यक्ष श्री आकाश दीक्षित जी के द्वारा उनका कार्यकाल विधिवत संपन्न हुआ उनके स्थान पर सर्वसम्मति से श्री देव सिंह सैयाम जी को नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

मंडला। शासकीय महाविद्यालय अंजनिया में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा के मार्गदर्शन में संपन्न हुए। इस क्रम में 18 अप्रैल को पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं 21 अप्रैल को कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा एवं लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। अंजनिया थाना के उप निरीक्षक प्रभारी श्री राजेश सराठे की टीम द्वारा उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जबकि सुश्री रीतू मरावी ने गुड टच-बैड टच एवं महिला संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. हरदहा ने बताया कि नारी में आत्मविश्वास एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। 22 अप्रैल को शारीरिक सशक्तिकरण के तहत डॉ. धनश्याम झारिया ने पोषण आहार पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. सुरेन्द्र कुमार लिल्हारे ने मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जानकारी दी। इसके अलावा 23 अप्रैल को वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक अंजनिया शाखा के प्रबंधक श्री धीरज कोष्ठा ने विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता से अवगत कराया। 24 अप्रैल को कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय उद्यमी श्री राहुल कुर्मी को आमंत्रित कर छात्रों को स्वरोजगार एवं कौशल संवर्धन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संविदा श्रमिकों के नियोजन के लिए 'प्रिंसिपल एम्प्लॉयर' पंजीयन अनिवार्य

मंडला-कार्यालय श्रम पदाधिकारी द्वारा जिले के सभी शासकीय विभागों, मण्डलों, निगमों एवं अन्य संस्थाओं को संविदा श्रमिकों के नियोजन संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जो भी विभाग या संस्थाएं ठेकेदारों अथवा आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्य (विशेषकर निर्माण कार्य एवं अन्य सेवाएं) करा रहे हैं, उन्हें 'संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970' की धारा 7 के अंतर्गत 'प्रिंसिपल एम्प्लॉयर' के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य है। साथ ही 'व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य-दशा संहिता, 2020' की धाराओं 47 एवं 50 के तहत भी ठेका श्रमिकों के नियोजन और पंजीयन से जुड़े प्रावधान लागू हैं।श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीयन के किसी भी प्रकार से ठेका श्रमिकों का नियोजन नहीं किया जा सकता। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित नियोक्ता के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाएं तत्काल पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करें और श्रम कानूनों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें। आवश्यकता पड़ने पर जिला श्रम कार्यालय से मार्गदर्शन एवं सहायता प्राप्त की जा सकती है।

सीएम हेल्पलाइन और पेयजल पर भी जोर

टीएल बैठक में "ज्ञान भारतम मिशन" व जनगणना को लेकर अहम निर्देश

मंडला

अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना ने संयुक्त रूप से जिला योजना भवन में आयोजित टीएल बैठक में "ज्ञान भारतम मिशन" सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में "ज्ञान भारतम मिशन" के अंतर्गत पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण कार्यों को तय समय-सीमा में प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि यह विशेष अभियान 16 मार्च से 15 जून तक संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण, सूचीकरण एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने का कार्य पूरी गंभीरता के साथ किया जाए तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य सुनिश्चित करें। अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा करने और समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए।

जनगणना के प्रथम चरण को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं अपने परिवार की गणना प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। साथ ही अपने अधीनस्थ

अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी स्व-गणना सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कार्य समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण हो सके। अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करते हुए आमजन को समय पर राहत प्रदान करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो।

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों एवं आगामी आदि उत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। "जल गंगा संवर्धन अभियान" एवं "जल शक्ति जन भागीदारी 2.0" के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन विभागों द्वारा जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियां संचालित की गई हैं, वे उनकी फोटो एवं जानकारी निर्धारित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें, ताकि कार्यों का उचित दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन किया जा सके। इस दौरान जन अभियान परिषद मंडला द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे अन्य विभागों के लिए प्रेरणादायक बताया गया।

बैठक में "आदि उत्सव" कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि दो दिवसीय इस आयोजन में वीवीआईपी एवं वीआईपी आगमन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित कर ली जाएं। कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा, यातायात, आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समुचित योजना बनाकर समय से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराएं।

सीडीवीडी संस्था के कार्यों को देखने के लिए महाराष्ट्र से आया दल

मंडला – सेंटर ऑफ़ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट [सी.डी.वी.डी.] संस्था के द्वारा वनोपज आधारित उत्पादों का अध्यन करने हेतु महाराष्ट्र के अमरावती जिला के धारिणी से समाज प्रगति सहयोग संस्था से किसानो का एक भ्रमण दल आया जिसका उद्देश्य था की मंडला में वनोपज के उत्पाद एवं सरल सहज तकनीकी से उत्पाद केसे बनाये जा रहे है ।

सीडीवीडी संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने बताया की संस्था के द्वारा छोटे छोटे उत्पादों को बिना किसी बड़ी मशीनरी की सहायता से घरेलु सामान से केसे उत्पाद बनाकर विक्रय किया जा सकता है, वनोपज से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन किया गया एवं शहद प्रसंस्करण इकाई में पैकेजिंग के बारे विस्तृत जानकारी दी गई एवं जंगलो से शहद लाकर केसे फ़ल्टिर किया जाता है इसे सभी ने देखा । समाज प्रगति संस्था के कार्यक्रम समन्वयक विजय कुमार ने बताया की धारिणी में भी मंडला से मिलते जुलते अनेक वओपाज उपलब्ध है इसलिए यहाँ के उत्पादों का अध्यन करके वहां पर भी इस तरह के कार्य किये जायेंगे, सीडीवीडी संस्था ने लघु उद्योगों के लिए अच्छा प्रयास कर रही है हम संस्था का आभार प्रकट करते है और भविष्य में सहयोग की कामना करते है ।

सीडीवीडी संस्था ने रामपुरी में चल रहे लेंटाना के कार्यों को दिखाया और केसे बनाया जाता है इसके बारे में संस्था के मास्टर ट्रेनर्स मिलन सिंह ने विस्तृत जानकारी दी । सभी ने लेंटाना से निर्मित उत्पादों जेसे की मंदिर, मचिया, सोफासेट, हेंगर, स्टूल एवं बच्चों की कुर्शी आदि की बहुत तारीफ की और इस कार्य को अपने क्षेत्र में करने का भी निर्णय लिया ।

मंडला में शिक्षा सुधार को नई दिशा, जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति में अरविंद शर्मा प्रस्तावित

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति शिक्षा योजनाओं और स्कूल व्यवस्थाओं की करेगी निगरानी

जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन किया गया है, जो सांदीपनि, पीएम श्री, उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूलों सहित जिले की सभी शैक्षणिक और निर्माण संबंधी व्यवस्थाओं की निगरानी करेगी।

इस समिति में लंबे समय से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय रहे अरविंद शर्मा के नाम को अशासकीय सदस्य के रूप में प्रस्तावित किया गया है। यह प्रस्ताव शिक्षा मंत्री द्वारा रखा गया है, जिसे उनके अनुभव और समर्पण के दृष्टिगत एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

अरविंद शर्मा वर्ष 1994 से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। उन्होंने संपूर्ण साक्षरता अभियान में भागीदारी करते हुए समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

वर्ष 1996 में मंडला जिले में तत्कालीन कलेक्टर अनुराग जैन के नेतृत्व में चलाए गए शिक्षा अभियानों में भी उनका विशेष योगदान रहा। इस दौरान उन्होंने महिला शिक्षा, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2005 से शासन की योजना के अंतर्गत कक्षा 5वीं से 8वीं तक की छात्राओं के लिए आवासीय विद्यालयों के निर्माण और संचालन में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से बालिका शिक्षा को नई दिशा मिली और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार हुआ। जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति में उनके नाम का प्रस्ताव जिले की शिक्षा व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि उनके अनुभव का लाभ लेते हुए स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार होगा और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जिला पंचायत मंडला की सामान्य सभा बैठक 29 अप्रैल को

मंडला-जिला पंचायत मंडला की सामान्य सभा की बैठक 29 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। यह बैठक मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार बुलाई गई है। प्रदेश में 19 मार्च से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन की जिला स्तर पर समीक्षा की जाएगी। बैठक का आयोजन दोपहर 12 बजे जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम द्वारा की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ अन्य समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

देर शाम को निकली बारात शोभा यात्रा का नगरवासियों ने किया स्वागत

नगर में ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार वैदिक रीति रिवाज से किया गया

भुआ बिछिया मंडला। , माहिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया द्वारा आयोजित सामूहिक यज्ञोपवीत उपनयन संस्कार वैदिक रीति रिवाज के साथ सम्पूर्ण उत्साह से किया ,गया प्रातः 9 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत हुई बटुक बालकों के माता पिता ओर उनके परिवार जनों द्वारा तेल हल्दी की रस्म पूरी की गई, बटुक बालकों को गुरु दिछा के साथ उनका यज्ञोपवीत संस्कार वैदिक रीति रिवाज से किया गया वही सभी परिवार जनों ओर कार्यक्रम में उपस्थित जनों द्वारा बटुक भिक्षुओं को भिक्षा देकर धर्म लाभ प्राप्त किया , इसके साथ ही देर शाम बैंड बाजे आतिश बाजी रथ घोड़े आदि सुंदर मनमोहक झाकियों के साथ बटुक बालकों की बारात शोभा यात्रा की तरह निकली गई सम्पूर्ण कार्यक्रम एवं शोभा यात्रा में महिलाओं की हिस्सेदारी संपूर्ण उत्साह जनक देखी गई शोभा यात्रा का अनेकों जगह भव्य स्वागत किया गया नगर का यह कार्यक्रम सम्पूर्ण उत्साह ओर भव्यता के साथ मनाया गया

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला ब्राह्मण समाज से आए यज्ञोपयित संस्कार कार्यक्रम के आचार्य पंडित शेल दुबे, पंडित श्रशिराजन तिवारी पंडित श्याम दुबे, ओर पंडित प्रशांत बाजपेई ओर उनके साथ आए पंडितों का स्वागत बिछिया ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष रजनीश पांडे, युवा अध्यक्ष दीपक पांडे महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती संगीता गर्ग के द्वारा पुष्प गुच्छ भेट कर किया गया, इसके बाद वैदिक मंत्रोपचार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई

इन 9 बटुक बालकों का हुआ यज्ञोपयित

1. शिवम तिवारी पिता संतोष तिवारी, बिछिया , अभिषेक मिश्रा पिता नीरज मिश्रा, भुआ बिछिया, अमन तिवारी पिता अनिल तिवारी, सिझौरा, विजय मोहन दीक्षित पिता दानेंद्र मोहन दीक्षित, मोहगांव अजय मोहन दीक्षित पिता दानेंद्र मोहन दीक्षित, मोहगांव, शिवम दुबे पिता निरंजन दुबे, गढ़ीटोला, शौर्य मिश्रा पिता धीरेंद्र मिश्रा, भुआ बिछिया, आशुतोष मिश्रा पिता धीरेंद्र मिश्रा, भुआ बिछिया,निलेश पाठक पिता बसंत पाठक, मवई,

नगर के होनहार छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान

यज्ञोपवीत कार्यक्रम के दौरान महिष्मति ब्राम्हण समाज द्वारा नगर के गौरव प्राथमिक शिक्षा से लेकर हायर सेकेंड्री तक जिन छात्रों ने प्रदेश स्तर जिला ओर नगर स्तर पर 75 प्रतिशत या इसके ऊपर अंक अर्जित कर विद्यालय परिवार ओर नगर को गौरवान्वित किया है उन मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्तिपत्र ओर प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अलावा समस्त श्रावण समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति से समाज ओर कार्यक्रम को रोचक बना दिया, फोटोबिछिया जनेऊ संस्कार महिला मंडल में भारी उत्साह देखा गया बाकी सभी फोटो कार्यक्रम के दौरान की है

नशामुक्ति अभियान की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय बैठक आयोजित

मंडला-जिले में संचालित नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों एवं कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा के लिए सोमवार को योजना भवन में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने की। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, एसडीओपी श्री पीयुष मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने पुलिस विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजाति कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत नशे की गतिविधियों की हॉटस्पॉट चिन्हित किए जाने एवं नशे की रोकथाम के लिए जिले में कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया।

प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री रोहित बड़कुल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी थानों द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी सूचनाएं प्राप्त कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि आबकारी एक्ट के तहत 10 मार्च 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक कुल 233 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 1547.403 लीटर अवैध शराब जप्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 307 रुपये है। बैठक में अधिकारियों ने अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए जनजागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्रवाई तेज करने पर जोर दिया।

तेज गर्मी में किसानों को राहतः उपार्जन केंद्र पर की गई विशेष व्यवस्थाएं

मंडला

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार बी-पैक्स मंडला के उपार्जन केंद्र आमानाला में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। तेज गर्मी और धूप से बचाव के लिए केंद्र पर किसानों के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है ताकि वे छाया में बैठ सकें और अपना उपार्जन कार्य कर सकें।

केंद्र में ठंडे पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ ग्रीन नेट के माध्यम से टेंट तैयार किया गया है, ताकि किसानों को धूप से राहत मिल सके। इन व्यवस्थाओं से किसान संतुष्ट और प्रसन्न नजर आए। किसानों की सलाह के अनुसार उपार्जन कार्य का समय भी निर्धारित किया गया है। अब कार्य सुबह 7 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर में विश्राम के बाद शाम 4 बजे से 7 बजे तक जारी रहेगा, जिससे गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सके। छाया, वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं के दौरान वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, समिति के प्रशासक, प्रबंधक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। यह पहल किसानों को राहत देने और उपार्जन प्रक्रिया को सुगम बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

थाना बिछिया एवं मोतीनाला में रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण व चयन शिविर आयोजित, युवाओं को मिला सुनहरा अवसर

मंडला-जिले के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार सार्थक पहल की जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के निर्देशन में थाना बिछिया एवं थाना मोतीनाला परिसर में "प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन" के सहयोग से रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण एवं चयन शिविरों का सफल आयोजन किया गया।

थाना बिछिया में आयोजित शिविर में लगभग 100 युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान अभ्यर्थियों को जबलपुर एवं भोपाल में उपलब्ध विभिन्न रोजगार अवसरों टू व्हीलर/फोर व्हीलर सर्विस टेक्नीशियन, हाउसकीपिंग एवं फूड एंड बेवरेज सर्विस की जानकारी दी गई। चयनित अभ्यर्थियों को 12 हजार से 15 हजार रूपए प्रतिमाह वेतन के साथ निःशुल्क ड्रेस, जूते एवं प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी गई।

वहीं थाना मोतीनाला में आयोजित शिविर में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगभग 32 युवक-युवतियों ने सहभागिता की। संस्था के प्रतिनिधि द्वारा 45 दिवस के निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए ऑटोमोबाइल, होटल मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, ब्यूटी पार्लर, कम्प्यूटर सहित कुल 32 विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण के अवसरों से अवगत कराया गया।

महिलाओं की भागीदारी से तय होंगे सुरक्षा के मानक

ग्राम की महिलाओं के विचारों और अनुभवों के आधार पर तैयार होगी कार्ययोजना

मंडला- स का ई सोशल संस्था भोपाल के मार्गदर्शन में साहस जेंडर जस्टिस लैब द्वारा बिछिया विकासखण्ड के ग्राम लपटी में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए सेफ्टी ऑडिट किया गया। यह ऑडिट चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत ग्राम की महिलाओं के साथ बैठकर, उनके अनुभवों और विचारों को प्राथमिकता देते हुए सम्पन्न किया गया। ऑडिट के दौरान महिलाओं ने गांव में असुरक्षित महसूस होने वाले स्थानों, समय और कारणों पर खुलकर अपनी बात रखी।

सेफ्टी ऑडिट में महिलाओं ने बताया कि गांव के कुछ मार्गों पर स्ट्रीट लाइट न होने, सूनसान रास्तों, शराब की दुकानों के आसपास और सार्वजनिक शौचालयों तक पहुंचने में उन्हें असुरक्षा महसूस होती है। संस्था के प्रतिनिधियों ने समूह चर्चा, नक्शा मैपिंग और वॉक-थ्रू विजिट के माध्यम से महिलाओं से जानकारी एकत्र की। महिलाओं ने यह भी सुझाव दिए कि किन स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी या पुलिस गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है। साहस जेंडर जस्टिस लैब के इस कार्यक्रम के विषय में स्काई सोशल भोपाल की फाउंडर सुश्री श्रृष्टि प्रगट ने बताया कि सेफ्टी ऑडिट का उद्देश्य महिलाओं के मत के आधार पर ही गांव को सुरक्षित बनाने की कार्ययोजना तैयार करना है। एकत्र किए गए सुझावों और निष्कर्षों को स्थानीय प्रशासन, पंचायत और पुलिस विभाग के साथ साझा किया जाएगा, ताकि महिला सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

नगर के चीचली रोड कांच मंदिर के पास

एक ही स्थान पर डंपर की टक्कर से तीन दिन में चार लोगों की मौत

घटनाओं के चलते आक्रोशित लोगों ने लाश रखकर चार घंटे तक किया चकाजाम, टीआई चौहान व तहसीलदार नेताम की समझाईश के बाद स्थिति हुई सामान्य

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के समीप चीचली के पास एनटीपीसी की स्थापना के पूर्व जिस तरह से क्षेत्र के लोगों द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त होने के जो सपने संजोये गये थें वह पूर्ण होते हुये दिखाई तो नही दे पा रहे है। मगर इस पावर प्लांट की स्थापना से जिस प्रकार से क्षेत्र में अन्य प्रकार के अपराधों के साथ साथ एनटीपीसी से निकलने वाली सामग्री का परिवहन करने के लिये दौड़ने वाले भारी भरकम डम्फर क्षेत्रवासियों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि एनटीपीसी से निकलने वाली प्लाईऐश यानि की राख का परिवहन करने के लिये जिस प्रकार से भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकडी मची हुई देखी जा रही है। इन डम्फरों के संचालन लायक क्षेत्र की सड़के न होने के बाद भी यह डम्फर दौडते हुये देखे जा रहे है। इसी का परिणाम है कि इन डम्फरों की चपेट में आने के कारण जहां लोग बेमौत मरने से नही चूक पा रहे है..? वही दूसरी ओर इन डम्फरों की तेज गति होने के चलते जब इनमें परिवहन करने वाली राख उड़ती है तो किसानों के फसलों पर विपरित असर पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने से भी नही चूक रही है। सही मायने में देखा जावे तो क्षेत्र में एनटीपीसी की स्थापना क्षेत्रवासियों के लिये बरदार की जगह अभिशाप साबित प्रतीत होने लगी है..? क्योंक क्षेत्र की सड़को पर धमाचौकड़ी मचाने के साथ साथ यह भारी भरकम डम्फर जिस तरह सड़को के किनारे कई दिनों तक खड़े रहने के कारण लोगों का निकलना मुश्किलों भरा साबित करते हुये खुलेआम मौत का सायरन बजाते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। क्योंकि एक ही स्थान पर तीन दिन के अंदर डम्फरों की चपेट में आने से चार लोगों की मौत होना निश्चित तौर से क्षेत्रवासियों में आक्रोश फैलाने से नही चूक पाई है। क्योंकि नगर के चीचली मार्ग स्थित कांच मंदिर के समीप सड़क किनारे खड़े हुये डम्फर में शुक्रवार के रात ग्राम चांदनखेड़ा निवासी की बाइक घुस जाने के कारण उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद शनिवार की रात उसी स्थानी पर चीचली निवासी एक युवक की डम्फर व बाइक की टक्कर के चलते मौत होने के बाद लगातार तीसरे दिवस यानि की रविवार की रात ग्राम कामती निवासी औकार पिता रमेश कौरव उम्र लगभग 50 साल व उसका साथी भूरा पिता सुख्खा यादव उम्र लगभग 50 साल चीचली शादी समारोह से वापिस अपने घर जा रहे थें। इसी दौरान कांच मंदिर के पास सड़क किनारे खड़े हुये डम्फर में इन लोगों की मोटर साईकिल टकरा जाने के दोनो युवको की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस तरह एक ही स्थान पर लगातार तीन दिन के अंदर चार लोगों की मौत की घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश छाने से नही चूक पाया। वही सोमवार को शव का पोस्ट मार्टम होने के बाद आक्रोशित मृतको के परिजनों सहित क्षेत्रवासियों द्वारा नेशनल हाईवे यानि की गाडरवारा करेली मार्ग नगर के शांतिदूत तिरहा पर दोनों युवको के शव रखते हुये चकाजाम कर दिया गया था। इस तरह सुबह 10 बजे से शुरू हुआ चकाजाम तीन बजे तक चला। इस चकाजाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर अपना समर्थन देते हुये और उग्र करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस प्रकार से चकाजाम कर रहे आक्रोशित लोगों की मांग थी कि मृतक के परिजनों को दस दस लाख रूपया व एनटीपीसी में नौकरी दी जावे। जब तक उनकी मांगे पूरी नही होगी तो वह मृतको के शव नही ले जावेगे। इस दौरान आक्रोशित लोगों का कहना था कि यदि उनकी मांगे नही मानी गई तो दोनों शवों का अंतिम संस्कार चकाजाम स्थल पर ही करेगे। इसके लिये आक्रोशित लोगों द्वारा ट्रेक्टर ट्राली भरकर बुलाई गई लकड़ियों के चलते विरोध प्रदर्शन में सनसनी का महौल बना दिया गया था। इस प्रकार से किये गये चकाजाम के चलते दोनो ओर वाहनों की लम्बी लाईने देखने मिली। मुख्य रूप से चल रही शादी सीजन के कारण जहां बाराते ले जाने वाली बसे फंसी रही ओर लोग आग उगलते हुये सूरज की तपन के बीच परेशान होते हुये देखे गये। वही बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था को देखते हुये सुरक्षा के हिसाब से आसपास के पुलिस थानों के साथ साथ तेंदूखेड़ा, करेली व सुआतला थाने से भी भारी पुलिस बल को व्यवस्था बनाने के लिये भेजा गया था। वही दूसरी ओर जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी स्थिति पर अपनी पैनी नजर बनाये हुये थे। आक्रोशित लोगों की मांगो को लेकर नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान व मौके पर मौजूद तहसीलदार प्रियंका नेताम द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत मृतक के परिजनों का समझाईश देते हुये एनटीपीसी की ओर से आये हुये अधिकारियों के माध्यम से ओकार कौरव के परिजनों को 5 लाख व भूरा यादव के परिजनों को 6 लाख की राशि नगद दिलाई गई तक कही मामला शांत हुआ। इस तरह नगर में बनी हुई लाईन आर्डर की स्थिति को संभालने के लिये अलग अलग थानों से भेजे गये पुलिस अधिकारियों में शामिल पडौसी थाने के एक तीन तारा धारी अधिकारी द्वारा जिस तरह अपना स्वार्थ सिद्व करने की सोच के चलते मामले को शांत करने जगह आग में घी डालने जैसे स्थिति बनाते हुये देखा गया वही कानून व्यवस्था के लिये चिंता की बात बनने से नही चूक पा रहा है..?

खबर संक्षेप

सालीचौका महा विद्यालय में छात्रों के प्रवेश हेतु किया जा रहा संपर्क

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शासकीय नवीन महाविद्यालय सालीचौका की स्थापना वर्ष 2023 में हुई थी वर्तमान में शासकीय महाविद्यालय बालक विद्यालय में संचालित है जिसमें तीनों संकाय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विषय संचालित है। वही बताया जाता है कि महाविद्यालय में सत्र 2026 - 27 में प्रवेश हेतु संस्था के प्राचार्य डॉ. दर्शन सिंह किरार के साथ साथ महा विद्यालय विधायक प्रतिनिधि पराग तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र राय तथा जन प्रतिनिधि गण,वरिष्ठ जन एवं एक पूरी टीम के द्वारा निकट के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूलों में भ्रमण कर विद्यार्थी और पालको से निरंतर संपर्क कर रहे हैं ताकि इस वर्ष महाविद्यालय में अधिक से अधिक प्रवेश हो सके। इसी क्रम में शासकीय कन्या विद्यालय सालीचौका, बसूरिया, पचामा, सहावन आदि अनेक विद्यालयों का भ्रमण किया जा रहा है जिसमें 12वीं पास विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से संपर्क किया इसी क्रम में शासकीय कन्या विद्यालय में तीनों संख्या में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार एवं मैडल से सम्मानित किया गया।

लक्ष्मी जी की कृपा से सही हो जाता है आडिट, कमीशन का यह खेल चल रहा है अनेक कार्यालयों में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासकीय व्यवस्था है कि सरकार स्वयं सभी विभागों के कामकाज पर आसानी से नजर नही रख सकती इसके लिए यह व्यवस्था बनायी गयी कि साल में एक या दो बार शासन के द्वारा नामित संस्था के व्यक्तियों द्वारा इन शासकीय विभागों के कामकाज का ब्यौरा लिया जाये तथा संस्था के जो अधिकारी विभागों के काम काज संभाले हुए है उनके दस्तावेज एवं महत्वपूर्ण फाइलों की जांच करते है वे चार्टर एकाउटेंड होते है जिन पर सरकार को विश्वास होता है कि वे छोटी से छोटी गलती एवं बहुत ही चालकी से की गयी बड़ी से बडी गडबड़ियों को आसानी से पकड लेगे और इन सभी कार्यो का विस्तृत ब्यौरा से सरकार को अपने अधिकारियों के माध्यम से भेजते है। जिसके चलते शासकीय विभागों में ये ऑडीटर ऑडिट हेतु जाते है, मगर देखा जाता है कि वहां पर उनकी आव भगत किसी राजसी मेहमान से कम नही होती है जिसके चलते अक्सर शासकीय कार्यालयों में ऑडिट करने पहुंचने वाले इन अधिकारियों को उन शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों द्वारा अच्छी से अच्छी होटलों में ठहराया जाता है तथा ऊंची कीमत के पेन से लेकर उपयोग की सभी उच्च स्तरीय की सामग्री उपलब्ध करायी जाती है तथा खान पान तो वैसे भी लक्जरी होता है और इनके शौक को देखते हुये हर तरह की व्यवस्था संपादित की जाती है तब कहीं जाकर ये विभाग के कर्मचारियों पर खुश होते हुए वह भी उनकी कमिशन बाजी में शामिल हो जाते है? इस प्रकार की सच्चाई को लेकर लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी इतनी सब व्यवस्थाएं इसलिए करवाते है कि उनके द्वारा किये गये अनेतिक कार्यो को ये नजर अंदाज कर इनके पक्ष मे रिपोर्ट पेश कर सके? इन सकारात्मक रिपोर्ट के लिए नगद राशि एवं बहु मूल्य उपहारों का भी जमकर लेन देन होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नीचे से लेकर ऊपर चल रही शासकीय व्यवस्थाओं के चलते भी लोग अच्छे दिन आने का अहसास कैसे कर पायेगे?

कहीं कुत्तों से न फैल जाए बीमारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे है, इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी- आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है, पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है,लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी कारण है।

हर गॉव मे खेल मैदान बनाने की योजना आखिर कहां हो गई गायब, गांवों में कही नजर नहीं आ रहे खेल मैदान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा।

केन्द्र सरकार कुछ वर्ष पूर्व शुरू की गई हर गांव मे खेल मैदान बनाने की योजना पायका के अंतर्गत यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो कागजों पर ही खेल मैदान बनकर तैयार होते हुये देखे जा रहे है, क्योंकि लगभग सात वर्ष पहले लागू हुई इस योजना के तहत अभी तक एक भी खेल मैदान नजर नही आ रहा है जो इस योजना से बनकर तैयार हुआ हो? जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीड़ा खेल अभियान पायका के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों ओर खिलड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर 5 हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गॉवों मे खेल मैदान बनाए जाना था। सिखाऍगे खेल के गुर-चिन्हित ग्राम के सरकारी स्कूलों मे खेल मैदान तैयार किए जाने थे, जिनमे संविदा के आधार पर 500 रूपए प्रतिमाह पर एक प्रशिक्षक की भी नियुक्ति की होनी थी? इनकी नियुक्ति के लिए एक समिति के गठन का भी प्रावधान था, वही बताया जाता है कि इस समिति मे ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव और स्कूल के प्राचार्य शमिल होगे, इस प्रशिक्षक को क्रीड़ाश्री नाम दिया गया है। यह प्रशिक्षक मैदान बनने के बाद बच्चों को विभिन्न प्रकार के खेलों के गुर सिखाने के साथ साथ विभागीय गतिविधियों को भी संचालित करेगा नही मिली राशि-10 वर्षीय इस योजना मे ग्राम पंचायत मे स्कूल खेल मैदान एवं सुविधाओं के विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा राशि आवंटित की जाएगी, जिसमे गठित कार्यकारी समिति खेल मैदान का निर्माण, खेल सामग्री, मल्टी जिम आदि पर व्यय करेगे, लेकिन इन सभी गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए केन्द्र सरकार से आवंटन प्राप्त नही हुआ है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2008-09 मे केन्द्र सरकार द्वारा पंचायत युवा क्रीडा खेल अभियान के तहत गॉवों मे खेल मैदान बनाने की योजना तैयार की गई थी जो ग्रामीण क्षेत्रों मे खेल गतिविधियों और खिलडियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर हजार से अधिक की जनसंख्या वाले गांवों खेल मैदान बनाए जाना थे, मगर इस योजना की शुरूआत होते होते कई वर्ष निकल गया, मगर अनेक पंचायतों में अभी तक न तो खेल मैदान दिखाई दे रहे है और न ही जिम्मेदारों द्वारा किसी भी प्रकार की रूचि लेते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते यह जान पड़ रहा हे कि शायद यह योजना मात्र कागजों तक ही सिमट कर पूर्ण हो चुकी है?

बिजली विभाग की अनदेखी बनती है किसानों के परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूलने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है...? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है, इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई गेंहू फसल आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है, क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है वही दूसरी ओर कई दिनों तक बिजली बंद रहने के कारण उनकी सिंचाई का कार्य भी प्रभावित होता है। इस प्रकार से क्षेत्र के किसानों के खेतों में खडी हुई फसलों के ऊपर झूलते तारों के चलते दहशत में दिखाई पड़ रहे है और समय रहते हुए यदि बिजली विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही क्षेत्र के किसानों को फिर आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

बुलट की फटाख नुमा आवाज से नगरवासियों की रात की नींद हो रही खराब

मनमानी वालों पर अंकुश लगाने में प्रशासन असफल

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, सड़कों पर हजारो वाहनो की आवाजाही होती रहती है किन्तु दुर्भाग्य की बात है कि अधिकतर वाहन चालक तेज गति से तो वाहन चलाते ही है साथ ही ओवर लोड वाहन भी फर्राटे से सड़कों पर दौड़ाये जाते है। बताया जाता है कि अनियंत्रित गति से नगर के मुख्य मार्गो पर दौड़ रहे वाहनो से यातायात व्यवस्था तो भंग हो ही रही है साथ ही कभी कभार जाम की स्थिति निर्मित होने से राहगीरो की भी मुसीबत हो रही है। वही शहरवासियो का कहना है कि नगर की सड़के संकीर्ण होने से अनियंत्रित गति से चल रहे वाहनो के कारण दुर्घटनाओं की आशंका सदैव बनी रहती है। वही दूसरी ओर इस समय आधी रात को नगर की सड़कों पर फटाखा के समान आवाज निकालते हुए दौड़ रही बुलट गाड़ी के चलते जहां लोगों का रात के समय सोना मुश्किल हो रहा है वही दूसरी ओर नगर की शांति व्यवस्था को भी ग्रहण लगते हुए देखा जा रहा है। बताया जाता है कि रात के समय कुछ युवकों द्वारा नगर के मुख्य मार्गो के आलवा अन्य कुलियों में देर रात को अपनी बुलट गाड़ी को लेकर इस प्रकार से दौड़ाते हुए उससे फटाखा की तरह तरह आवाज निकाली जाती है जिसक चलते जहां रात में सोने वाले लोगों की नीद तो खराब होती ही है साथ साथ अपनी पढ़ाई में जुटे हुए छात्र छात्राओं को भी पढ़ाई में व्यवधान पैदा होते हुए देखा जा रहा है..? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस प्रकार से फटाखानुमा आवाज निकलने वाली यह गाड़िया पुलिस की आंखों के सामने से भी रात के समय अनेक चक्कर लगाते हुए आसानी से देखी जाती है और रात्रि कालीन गस्त व्यवस्था में तैनात पुलिस अधिकारियों की नजरों के सामने से भी अनेको बार यह गाड़यिा गुजरती रहती है। मगर इसके बाद भी पुलिस द्वारा इस प्रकार से मनमानी करने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार का अंकुश नही लगाया जाना जहां आम लोगों के लिए परेशानी का कारण साबित हो रहा है, इसलिए जरूरी है कि आल लोगों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा अनियंत्रित गति से व तेज आवाज करने वाले वाहन चालन पर रोक लगाई जाए।

म.प्र.शासन का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरा सर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्याापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित कर रहा है।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी चयन प्रक्रिया पर सवाल, मेरिट में अव्वल अभ्यर्थी की अनदेखी

डिंडौरी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चयन प्रक्रिया में हुई अनियमितता एवं धांधली के संबंध में पीड़ति महिला द्वारा कलेक्टर कार्यालय में शिकायत की है। शिकायत में ग्राम देवरी निवासी रेवती ठाकुर ने बतलाया कि हमारे क्षेत्र में हाल ही में हुई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताए हुई है। महिला ने बतलाया कि चयन प्रक्रिया के दौरान मेरिट सूची में मेरा प्रथम स्थान था और मैं पूर्णतः पात्र अभ्यर्थी थी। इसके बावजूद मेरा चयन नहीं किया गया। मेरे स्थान पर मेरिट सूची में 13 वें क्रम के अभ्यर्थी का चयन कर लिया गया है, जो कि पूरी तरह से नियमों के विरुद्ध है। महिला ने आरोप लगाया कि चयनित अभ्यर्थी न तो बैगा जनजाति की है और न ही उस श्रेणी के मानदंडों को पूरा करती है। नियमानुसार यदि वह बैगा जनजाति की होती तो उसे 10 अंक मिलते, जबकि उसे कोल जनजाति के 5 अंक दिए गए हैं। इसके बावजूद वह मेरिट में काफी पीछे है। उक्त अभ्यर्थी को गुपचुप तरीके से नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया है, जो ओबीसी वर्ग के साथ अन्याय है। मुझे कोई अतिरिक्त अंक न मिलने के बावजूद भी मैं अपनी योग्यता के आधार पर सूची में प्रथम हूँ। महिला ने बतलाया कि इस संबंध में मैंने पूर्व में एसडीएम के पास भी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन पिछले 6 महीनों से केवल पेशी हो रही है और अभी तक मामले का कोई भी ठोस निराकरण नहीं हुआ है। महिला ने मांग की है कि इस चयन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और मेरिट के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले योग्य अभ्यर्थी को न्याय प्रदान किया जाए।

मेडिकल प्रतिपूर्ति के लिए भटक रही मृत शिक्षक की पत्नी

डिंडौरी। जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम कारोपानी निवासी शिक्षक का इलाज के दौरान निधन हो जाने के बाद चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति की राशि के लिए परिजन भटक रहे है। इस संबंध में शिक्षक की पत्नी इन्द्रकली मरावी पति स्व. गोविन्द सिंह मरावी ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया है। आवेदन में महिला ने बतलाया कि मेरे पति स्व. गोविन्द सिंह मरावी सहा शिक्षक के पद पर प्राथमिक शाला खरगहना बजाग में पदस्थ थे। मेरे पति का स्वास्थ्य खराब होने के कारण शासकीय मेडिकल कॉलेज जबलपुर में इलाज के दौरान 9 अक्टूबर 2024 को निधन हो गया है। मृत्यु प्रमाण पत्र एवं सभी आवश्यक दस्तावेज विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया था। चिकित्सा व्यय का आवंटन राशि बीईओ कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है, किन्तु मुझे अभी तक चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान नहीं मिल पाया है। विभाग के कर्मचारियों से पूछने पर उनके द्वारा तरह-तरह से गुमराह किया जा रहा है। महिला ने चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति की राशि भुगतान कराने की गुहार लगाई है।

शासकीय आईटीआई में विधिक साक्षरता शिविर का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार 27 अप्रैल को शासकीय आईटीआई अनूपपुर में छात्र-छात्राओं कों नालसा (नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं) तथा मध्यस्थता योजना, मानव तस्करी बाल-विवाह निषेध, बाल श्रम, यातायात नियम एवं पॉक्सों एक्ट के संबंध में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, उक्त शिविर में मनोज कुमार लढ़िया प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय द्वारा विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बालकों के प्रति लैगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के संबंध में उदाहरणों द्वारा विस्तार से समझाया। रावेन्द्र कुमार सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम , विधिक सलाह, लोक अदालत इत्यादि की जानकारी दी। बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा बाल-विवाह निशेष अधिनियम, मध्यस्थता आदि की जानकारी दी तथा 09 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य प्रकरणों को अधिक से अधिक निराकृत लोक अदालत का लाभ लेने हेतु आम जन को प्रेरित करने की सलाह दी।

उमरिया और डिंडौरी के न्यायालय में चल रहा है मामला

पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी रचाने पहुंचा युवक, हंगामे के बीच फरार

डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है, जिसमें पहली पत्नी के होते हुए भी युवक दूसरा विवाह रचा रहा था। जब इसकी भनक पहली पत्नी और परिजनों को लगी तो वह विवाह स्थल पहुंच गये। पहली पत्नी को देखते ही दूल्हा मौके से फरार हो गया। इस तरह बिना दुल्हन के बारातियों को वापस लौटना पड़ा। घटना के बाद पहली पत्नी एवं उसके परिजनों द्वारा इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार भी गर्म है। पुलिस से की गई शिकायत में करंजिया निवासी 30 वर्षीय महिला ने बतलाया कि उसकी शादी 05 फरवरी 2022 को ज्वालामुखी कॉलोनी उमरिया थाना उमरिया जिला उमरिया के राजेन्द्र पाल कोठी के पुत्र रामकृष्ण पाल कोठी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। शादी के करीब 03 माह तक पति रामकृष्ण पाल कोठी ने मुझे अच्छे से रखा उसके बाद मुझे परेशान करने लगा। तब अपने पति के खिलाफ मैने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसका प्रकरण न्यायालय जिला उमरिया में विचाराधीन है, तथा पति के खिलाफ भरण पोषण का मामला डिंडोरी कोर्ट में भी विचाराधीन है। हालांकि हम दोनो पति-पत्नी अलग मैं अपने मायके में तथा पति अपने माता पिता के साथ उमरिया में रह रहा है। दुल्हा घर के पिछले दरवाजे से भागा पीड़ति महिला ने बतलाया कि मुझे 27 अप्रैल 2026 सोमवार की सुबह किसी माध्यम से जानकारी मिली की मेरा पति रामकृष्णपाल कोठी ने करंजिया जनपद अंतर्गत ग्राम गोरखपुर तबलूटोला की किसी लड़की से दूसरा विवाह कर रहा है, और 26 अप्रैल 2026 रविवार की रात्रि में बारात लेकर पहुंचा है। जानकारी लगने के बाद मैने अपने परिवार वालो को बताकर साथ में गोरखपुर तबलूटोला पहुंच गई। मौके पर मेरे पति रामकृष्णपाल ने रविवार की रात्रि में तबलूटोला में शादी कर लिया था। सोमवार को विदाई कार्यक्रम चल रहा था। मैं व मेरे परिवार वालो ने शादी वाले घर में पति रामकृष्ण पाल से बात करनी चाही तो वह घर के अंदर चला गया व पीछे दरवाजे से भाग गया। महिला ने आरोप लगाया कि मेरा पति रामकृष्ण पाल बगैर मेरी सहमति के दूसरी शादी रविवार की रात्रि में तबलूटोला निवासी युवती से कर लिया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 82 के तहत संजेय अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने पीड़ति को न्यायालय में अपील करने की सलाह दी है।

रामकिशोर ने सुसाइड नोट भी लिखा है

युवक ने फांसी से पहले बनाया वीडियो, पुलिस जांच में जुटी

डिंडौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत चांदपुर गांव के आवास टोला में रविवार की शाम लगभग चार बजे एक 21 वर्षीय युवक अपने मोबाइल में मरने से पहले वीडियो बनाया और रसोई में फांसी के फंदे में झूल गया जिसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा कार्रवाई के बाद सोमवार को शव का पीएम करा स्वजनों को सौंप दिया, और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मृतक के पिता मिही लाल वनवासी ने पुलिस को बतलाया कि मृतक रामकिशोर वनवासी 12 वीं तक पढ़ा हुआ है तथा अमरपुर से कम्प्यूटर कोर्स किया हुआ है। इस वर्ष वह घर पर ही रहता था। रविवार की सुबह वह अपनी मां के साथ काम करने गया था। वहां से लौटने के बाद मैं अपनी पत्नी के साथ राम कीर्तन कार्यक्रम में चला गया था। घर पर रामकिशोर और छोटा लडका थे। शाम को लगभग 4 बजे छोटा लडका घर के पीछे कुआं में नहाने गया हुआ था, इसी दौरान पड़ोसियों ने चिल्लाया कि रामकिशोर ने फांसी लगा लिया है जिसके बाद छोटा बेटा दौंडकर का आया और देखा कि रामकिशोर रसोई में साड़ी का फंदा बनाकर लकडी की बल्ली में झूला हुआ है। उसे छटपटाते देख पड़ोसियों की मदद से छोटे लडके ने फंदा को काटकर नीचे उतारा लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पिता ने बतलाया कि बेटा मोबाइल में क्रिकेट मैच देखने का शौकीन था, और वह फ्री फायर गेम भी खेलता था। मरने के पूर्व रामकिशोर ने सुसाइड नोट भी लिखा है जिसमें गुल्लक में पैसे रखे होने के साथ-साथ अपने छोटे भाई के लिए लिखा है कि वह माता पिता का ख्याल रखे। इसके साथ ही अपने मोबाइल पर वीडियो भी बनाकर अपने छोटे भाई को माता पिता के ख्याल रखने की बात कही है। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

गौ संरक्षण को लेकर रैली, सख्त कानून बनाने की उठी मांग

डिंडोरी। सोमवार को गौ सम्मान आव्हान अभियान के सदस्यों ने गौ वंश के संरक्षण और संवर्धन की मांग को लेकर नर्मदा डैम घाट से रैली निकाली। कलेक्ट्रेट पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर कठोर कानून बनाने की मांग की है। अभियान के सदस्य दीपेंद्र जोगी ने बताया कि सड़क किनारे गौ वंश आवारा घूमता है, और सड़क दुर्घटना का शिकार होने पर या तो घायल हो जाते है या फिर उनकी मौत तो कभी जनहानि भी हो जाती है। बतलाया गया कि गौ वंश का बूचड़खाने में कत्ल किया जा रहा है, देश और प्रदेश में कई सरकार आई गई, लेकिन गौ वंश के संरक्षण और संवर्धन में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। राजनैतिक दल भी गौ वंश के नाम पर राजनीति करते रहते है। इसलिए गौ वंश की रक्षा के लिए प्रदेश व केंद्र सरकार को कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में प्रति दस व्यक्ति में एक गौ वंश बचा है। गौ वंश अब लुप्त होने की कगार पर है। जिसके चलते ग्रामीण अर्थव्यवस्था बल्कि देश की मूल लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक जड़ें भी कमजोर हो रही है। सरकार गौमाता को राष्ट्र माता की मान्यता दे, पंचायत स्तर पर नंदी शाला का निर्माण करवाए, नेशनल और स्टेट हाइवे पर गो वाहिनी एंबुलेंस और ट्रामा सेंटर खोले, स्कूली पाठ्यक्रमों में गो विज्ञान विषय पढ़ाया जाए, चारा सुरक्षा कानून और गोचर विकास बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान अतुल जैन, जितेंद्र विश्वकर्मा, भवानी प्रसाद दुबे, आदित्य वैश्य, रोहित जोगी, करण सरैया, अमन परमार, शैलेन्द्र सौरभ, सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

वन विभाग का अमला सब कुछ जानकार भी अंजान बना

बैगाचक के जंगलों में लगातार आग वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

डिंडोरी। जिले के वन परिक्षेत्र बजाग अंतर्गत बैगाचक इलाके में पिछले कई दिनों से अलग-अलग कक्षों में आग लगने का सिलसिला जारी है। आग की चपेट में आने से हरे भरे पेड़ पौधे नष्ट हो रहे हैं, वहीं वन औषधियों को भी नुकसान पहुंच रहा है, और वन विभाग का अमला सब कुछ जानकार भी अंजान बना हुआ है। वन विभाग के अमले की लापरवाही के कारण जंगल में आग तेजी से फैलते जा रही है, और अब तक सैकड़ों पेड़ पौधे नष्ट हो चुके हैं। जानकारी में बतलाया गया कि जिस कक्ष में आग लगी हुई है वहां बेशकीमती सरई के पेड़ के अलावा सतकठा के बडे-बडे पेड खडे हुये हैं। यह सब जानते हुए भी वन विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमला आग बुझाने के लिए कोई पहल नहीं कर रहे हैं। जंगल में लगी आग फैलती जा रही है जिससे इंसानी बसाहट तक पहुंचने की भी आशंका जाहिर की जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक इलाके में कई दिनों से अलग-अलग क्षेत्रों में से आग लगने की घटनाएं घटित हो रही हैं। इस बावद वन विभाग के अमले को भी जानकारी दी जा चुकी है। वहीं इसकी जानकारी वन समिति को भी है लेकिन रोकथाम के लिए पहल नहीं की जा रही है। वन विभाग की उदासीनता का यह पहला उदाहरण नहीं है जब जंगल में आग लगी हो अप्रैल माह में ही वन परिक्षेत्र डिंडौरी के बिजौरा और धमनगांव में भीषण आग लगी थी हालांकि वन विभाग अमला और वन समिति के सदस्यों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था लेकिन आग लगने से पेड पौधे नष्ट हो गये इसी तरह वन परिक्षेत्र मेंहदवानी के सारंगपुर और फुलवाही के मध्य जंगल में आग लगने से सागौन सहित अन्य प्रजाति के पेड़ों को नुकसान पहुंचा था फिलहाल करंजिया वन परिक्षेत्र के जगतपुर और बोंदर से सटे जंगलों में भी आग ने बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले रखा है, जिससे हरे भरे पेड़ पौधे को लगातार नुकसान हो रहा है। सिर्फ पेड़ पौधे ही नहीं वन औषधि भी नष्ट हो रही है। इसके अलावा वन्य जीव भी आग लगने के कारण प्रभावित हो रहे हैं। सवाल यह उठता है कि आग लगने की घटना की निगरानी सेटेलाईट से की जा रही है और पलभर में ही आग लगने की लोकेशन चिन्हित हो जाती है, उच्च अधिकारियों से लेकर मैदानी अमले को भी इसकी जानकारी लग जाती है। जिसके बाद आग बुझाने की कवायद शुरू कर दी जाती है। बावजूद इसके अलग-अलग वन परिक्षेत्रों में धधक रही आग पर काबू पाने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप आग बडे इलाके में फैलकर पेड़ पौधों को नष्ट कर रही है। जिससे वन्य जीव भी प्रभावित हो रहे हैं।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक संपन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सख्त निर्देश

डिंडौरी ।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित की गई जिसमें जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं विकास कार्यों और जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई।कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का जिम्मेदारी के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके जिन विभागों द्वारा सीएम हेल्पलाइन अटेंड नहीं की गई उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए साथ ही जिन विभागों में बार बार शिकायतें दर्ज हो रही हैं उनके अधिकारियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई पशुपालन विभाग की लापरवाही पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्यमंत्री के जल गंगा संवर्धन अभियान की वीडियो कॉन्फ्रेंस में अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस देने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने पीएम आवास जनमन आवास धरती आबा ई केवाईसी और शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों का नामांकन 30 अप्रैल से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही परिवहन खनिज और आबकारी विभाग को अवैध परिवहन अवैध मादक पदार्थ और अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी 12 गेहूं उपार्जन केंद्रों पर गर्मी को देखते हुए पेयजल छाया भुने चने और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए वहीं परिवहन अधिकारी को उपार्जन केंद्र और मंडियों में चलने वाले वाहनों पर रेडियम पट्टी लगाने के निर्देश दिए गए ताकि दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि सभी विद्यार्थियों का शत प्रतिशत प्रवेश 30 अप्रैल तक पूरा किया जाए और पात्र विद्यार्थियों को साइकिल वितरण सुनिश्चित किया जाए न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

आरईएस विभाग को निर्देश दिए गए कि जिले के सभी जल स्रोतों पर जल संचय की व्यवस्था सुनिश्चित कर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए कलेक्टर ने रेनवाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए सभी अधिकारियों कर्मचारियों और संस्थानों में इसे अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए साथ ही जियो टैग फोटो जमा करने को कहा।नगरपालिका को डिंडौरी और शहपुरा क्षेत्र के डिवाइडरों की स्वच्छता बनाए रखने और अवैध बैनर हटाने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने आगामी जनगणना कार्य को गंभीरता से समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि इस दौरान अवकाश नहीं दिया जाएगा।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां घोषित की गईं 28 अप्रैल को डिंडौरी 7 मई को शहपुरा और 14 मई को अमरपुर में आयोजन किया जाएगा पात्र हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित विभाग से संपर्क कर योजना का लाभ लेने के निर्देश दिए गए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा एसडीएम रामबाबू देवांगन डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रवेश उत्सव के दावे खोखले राई स्कूल में पसरा सन्नाटा

राई प्राथमिक शाला में अव्यवस्था चरम पर शिक्षा और पोषण दोनों प्रभावित

हरिभूमि न्यूज।जिले के विकासखंड मेहंदवानी अंतर्गत बालक प्राथमिक शाला राई में शाला प्रवेश उत्सव के दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े हो गए हैं एक अप्रैल को पूरे प्रदेश में उत्साह के साथ मनाए गए प्रवेश उत्सव की तस्वीर यहां पूरी तरह विपरीत दिखाई दी। विद्यालय में चौंकाने वाली स्थिति सामने आई कक्षा एक से पांच तक संचालित इस शाला में केवल एक छात्र उपस्थित मिला जबकि पदस्थ प्राथमिक शिक्षक महेन्द्र कुमार धुर्वे मौके से अनुपस्थित पाए गए।शासन की महत्वपूर्ण योजना मध्यान्ह भोजन पिछले चार से पांच दिनों से बंद है जिससे बच्चों को पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में अतिथि शिक्षक प्रेम सिंह मरावी ने बताया कि नियमित शिक्षक बच्चों को बुलाने गए हैं जबकि संबंधित शिक्षक से फोन पर संपर्क नहीं हो सका और मोबाइल बंद मिला।यह पूरा मामला न केवल शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता उजागर करता है बल्कि शासन के निर्देशों की अनदेखी को भी सामने लाता है ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कागजों में चल रहे प्रवेश उत्सव और योजनाएं वास्तव में जमीनी स्तर पर लागू हो रही हैं।प्रशासन को इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर जांच करना चाहिए और जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि बच्चों के भविष्य के साथ इस तरह की लापरवाही पर रोक लगाई जा सके।

कनेर के बीज सेवन से वृद्धा की मौत, कारणों की पड़ताल जारी

डिंडौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत कूंडा गांव में रविवार को एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला ने कनेर के बीज का सेवन कर लिया, तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। अस्पताल चौकी पुलिस को दिये कथन में मृतिका के नाती जय सिंह ठाकुर ने बतलाया कि वह किराना दुकान चलाता है और रविवार की सुबह 7 बजे किराना दुकान चला गया था। दोपहर लगभग एक बजे वह भोजन करने घर आया तो दादी घर पर अकेली थी। घर का कामकाज कर रही थी, लेकिन अचानक से दादी को चक्कर आ गया जाकर देखा तो वह उल्टी कर रही थी। उसे लगा कि गर्मी के कारण उल्टी और चक्कर आ रहे हैं जिसके बाद गांव के ही एक व्यक्ति के साथ निजी साधन से दोपहर को लगभग 3 बजे जिला चिकित्सालय में लाकर भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान पूछने पर दादी ने बतलाया कि कनेर के दो बीज का सेवन कर ली है। इसके बाद रात लगभग 8 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों की सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पीएम करा परिजनों को सौंप दिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने का हवाला देकर बच्चों की छुट्टी कर दी है

सिलेंडर खत्म होने पर चंद्रागढ बालक आश्रम बंद

डिंडोरी। जिले अमरपुर विकास खंड अंतर्गत चंद्रागढ़ में संचालित बालक आश्रम से एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां गैस सिलेंडर की किल्लत का हवाला देकर बच्चों को अघोषित छुट्टी पर भेज दिया गया। जबकि प्रषासन द्वारा स्कूल की छुट्टी को लेकर कोई भी आदेष जारी नहीं किया गया है। बावजूद इसके आश्रम संचालन कर रहे जिम्मेदारों ने गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने का हवाला देकर बच्चों की छुट्टी कर दी है। जब की टीम सोमवार की सुबह चंद्रागढ़ बालक आश्रम पहुंची तो वहां का नजारा चैंकाने वाला था। आश्रम में न तो छात्र मौजूद थे और न ही शिक्षक। पचास सीटर इस आश्रम में अधीक्षक समेत तीन शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन मौके पर कोई भी मौजूद नहीं मिला। आश्रम में पदस्थ भृत्य मुकेश ने बताया कि अधीक्षक एक शादी में गए हुए हैं जबकि शिक्षक किताब लेने संकुल कार्यालय गए हैं। वहीं चैंकाने वाली बात ये सामने आई कि शनिवार को गैस सिलेंडर खत्म होने के कारण सभी छात्रों को घर भेज दिया गया। राज एक्सप्रेस की टीम की आश्रम में पहुंचने की जानकारी मिलते ही अधीक्षक देवेंद्र कुमार भी आश्रम पहुंचे लेकिन उन्होंने पूरे मामले पर गोलमोल जवाब देते हुए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की। गौरतलब है कि इस आश्रम में करीब पचास छात्रों के रहने और खाने की व्यवस्था है, और यहां तीन गैस सिलेंडर भी उपलब्ध हैं। इसके बावजूद सिलेंडर की कमी का हवाला देकर आश्रम बंद करना कई सवाल खड़े करता है। एक तरफ प्रशासन भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों और छात्रावासों के लिए दिशा-निर्देश जारी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। अब देखना होगा कि इस लापरवाही पर जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

स्वामी सदानंद की पुण्य तिथि पर वरिष्ठ नागरिक उत्सव मंच का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वामी सदानंद की दसवीं पुण्यतिथि पर सामनवय परिवार ने मानवता के धर्म एवं विश्व बंधुत्व की प्रासंगिकता पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया । साथ ही साथ सच्चिदानंद आश्रम द्वारा वरिष्ठ लोगों को अपना जीवन आनंदमय बनाने के उद्देश्य से एक वरिष्ठ नागरिक उत्सव मंच का शुभारंभ किया। वरिष्ठ उत्सव मंच का उद्घाटन मुख्य अतिथि पंडित मैथिलीशरण तिवारी ने किया । जितेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुंजों से स्वागत किया । सूबेदार पांडे ने उत्सव मंच के उद्देश्य एवं कार्यक्रमों के बारे में सबको अवगत कराया । वक्ताओं ने कहा कि आज लोग अनेक धार्मिक कार्यों में लगे रहते हैं लेकिन मानवता उन में कम दिखाई देता है। धार्मिकता एवं मानवता एक सिक्के के दो पहलू हैं। स्वागत उद्बोधन फादर ऐन्टो ने किया । अजय तुलसी , डॉ सुधीर सिंघाई , कुरियन स्कारिया , ज्योति चैहान , हबीब खान , हेमवीर साहिनी ने विषय पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किया । प्रदीप पुरोहित , कृष्णकांत चैबे , किरण पटेल ने अपना मधुर गीतों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मनोहर हिग्ने ने आभार एवं अतुल मिश्रा ने संचालन किया ।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 29 अप्रैल को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक अब 29 अप्रैल 2026 को प्रातरू 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। पूर्व में यह बैठक 2 मई को दोपहर 12रू30 बजे से जिला पंचायत के सरदार वल्लभ भाई पटैल सभाकक्ष आयोजित की जानी थी।

संबल योजना एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश

जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चैधरी व महेन्द्र पटेल और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने संबल 2.0 योजना एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समग्र ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं की समीक्षा के दौरान एएनसी एवं निक्षय पोषण अभियान की प्रगति पर चर्चा की। कलेक्टर ने निक्षय पोषण मित्र बनने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किए गए पंजीयन एवं जमा राशि की समीक्षा कर प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही नल-जल योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने गेहूं उपार्जन, जर्जर भवनों की स्थिति एवं राशन वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि गंगा दशहरा के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आगामी 25 मई 2026 को गंगा दशहरा के अवसर पर प्रदेश की करीब 10 हजार ग्राम पंचायतों में कलश यात्राएं निकाली जाएंगी। अभियान के अंतर्गत ग्राम की प्राचीन जल संरचनाओं से यह कलश यात्राएं निकाली जाएंगी। इसके पूर्व जल संरचनाओं की स्वच्छता कर उनका पूजन किया जायेगा। उन्होंने सभी युवाओं से जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ने का आव्हान किया। इस अभियान में नवांकुर सखियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों की

सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

स्वैच्छिक संगठनों की बैठक 28 अप्रैल को

पंख कार्यक्रम (दृष्टि योजना) के अंतर्गत जिले में स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों को विस्तार देने एवं उनकी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्वैच्छिक संगठनों की बैठक का 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में सायं 5 बजे से किया जाएगा। कलेक्टर ने कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उद्यमिता, महिला एवं बाल विकास, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग तथा समाज कल्याण विभाग से संबंधित स्वैच्छिक संगठनों को सूचित कर बैठक में सहभागिता सुनिश्चित कराएं तथा संबंधित अधिकारी अपनी विभागीय जानकारी के साथ उपस्थित रहने के लिए कहा है।

नवीन प्रवेश प्रक्रिया 2026-27 हेतु सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कॉलेज चलो अभियान को आत्मसात करते हुए एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर में संचालित विज्ञान, जीव विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय द्वारा फर्स्ट स्टेप कैंपेन 2026-27 के अंतर्गत वर्तमान एवं नवागत छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से चार दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में इंजी. रूद्रेश तिवारी ने हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने एवं 12 वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उनकी रुचि के अनुकूल पाठ्यक्रम चयन हेतु काउंसिलिंग की बात पर बल दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर उपलब्धियों एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को विस्तार से स्पष्ट किया। एड. रचित तिवारी ने रोजगारोन्मुखी शिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास जैसे विषयों को समाहित करते हुए नवाचार एवं प्रवेश हेतु नेटवर्किंग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया।

गोवंश संरक्षण के लिए केंद्रीय कानून और मंत्रालय की मांग तेज

प्रधानमंत्री को भेजा गया निवेदन नागरिकों, गो-भक्तों और संत समाज ने गोवंश की सुरक्षा, सम्मान और सेवा के लिए ठोस कदम उठाने की अपील

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सम्पूर्ण भारत में देशी गोवंश की सुरक्षा, सेवा और राष्ट्रीय सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देशभर के नागरिकों, गो-भक्तों, कार्यकर्ताओं और संत समाज की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत निवेदन भेजा गया है। इस निवेदन में गोवंश संरक्षण के लिए केंद्रीय स्तर पर सख्त कानून बनाने और स्वतंत्र ष्गो सेवा मंत्रालयष् की स्थापना की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है। निवेदन में कहा गया है कि वर्तमान समय में देश में गोवंश की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। तस्करी, अवैध वध और सड़कों पर भटकते निराश्रित पशुओं की समस्या लगातार बढ़ रही है, जिससे समाज में आक्रोश और चिंता का माहौल है। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार से ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा की गई है। आवेदन में संविधान के अनुच्छेद 48 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि गो-संरक्षण को केवल राज्य विषय तक सीमित रखने के बजाय केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप कर ष्केंद्रीय गो सेवा एवं संरक्षण अधिनियमष् लागू करना चाहिए। साथ ही, देशभर में संचालित वधशालाओं पर सख्त कार्रवाई और उनके लाइसेंस निरस्त करने की मांग भी की गई है। निवेदन में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है। इसमें पंचगव्य आधारित उत्पादों को कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रोत्साहन देने, स्कूलों के मध्याह्न भोजन और धार्मिक स्थलों में देशी गो उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने की बात कही गई है। निवेदन के अंत में प्रधानमंत्री से आग्रह किया गया है कि वे इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आवश्यक नीतिगत और विधिक निर्णय लें, जिससे गोवंश की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित हो सके।

जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ कर जल संरक्षण व संवर्धन का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गोटेगांव के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के द्वारा भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और उन्हें जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में कार्य करने के उद्देश्य से जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों व नागरिकों ने जल संरक्षण व संवर्धन और अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई गई। उन्हें जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया।

सिंहपुर प्रीमियर लीग में खेल भावना और संवेदना का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सिंहपुर स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता सिंहपुर प्रीमियर लीग के अंतर्गत कल दो रोचक लीग मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के मैच प्रारम्भ होने से पूर्व एक भावुक क्षण तब देखने को मिला जब कुछ दिनों पूर्व दिवंगत हुए क्लब के विशिष्ट सदस्य एवं खिलाड़ी स्वर्गीय विकास शर्मा को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर क्लब के संरक्षक शैलेष महाजन, चैधरी योगेश शर्मा एवं उपेन्द्र महाजन सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों, खिलाड़ियों एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। सभी ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुये उन्हें पुष्पांजलि स्वरुप श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर को स्मरणीय बनाते हुए स्वर्गीय विकास शर्मा की पुण्य स्मृति में मैदान परिसर में आम का पौधा रोपित किया गया। ग्राम पंचायत सिंहपुर के सरपंच देवलाल पाल, आनंद शर्मा, डॉ. आशुतोष दुबे, चिन्टू महाजन एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया यह पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण और स्मृति सम्मान का एक प्रेरक संदेश बनकर सामने आया। सिंहपुर प्रीमियर लीग सीजन 3 का पहला मैच **JCC** और **MFC** क्लब के बीच खेला गया जिसमें **JCC** टीम ने शानदार 21 रन से जीत हासिल की।

इस मैच के मन ऑफ द मैच विदित नेपाली रहे

दूसरा मैच शिव वॉरियर और बुल्स नरसिंहपुर के बीच खेला गया जिसमें बुल्स टीम एक कांटे की टक्कर के मुकाबले में 3 विकेट से जीत हासिल की।इस मैच के मन ऑफ द मैच शिवम साहू रहे।

भीषण गर्मी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, पारा 43 पार

गोटेगांव। नगर सहित पूरे क्षेत्र में भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। सुबह 10 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा नजर आता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। तेज धूप और लू के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। डॉक्टरों ने लोगों को धूप से बचने, अधिक पानी पीने, दही, छाछ और आम का पना सेवन करने की सलाह दी है। गर्मी के कारण कूलर, पंखे और एसी की मांग बढ़ गई है, वहीं मजदूर और फुटकर व्यापारी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री के 30 अप्रैल को प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर अधिकारियों को सौंपे दायित्व

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 अप्रैल 2026 को नगर पालिका नरसिंहपुर के अंतर्गत भगवान नरसिंह जयंती एवं नगर गौरव दिवस कार्यक्रम में भ्रमण, रोडशो एवं आमसभा प्रस्तावित है। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान व स्वच्छता सर्वेक्षण की गतिविधियों का शुभारंभ और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होना है। उक्त कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे हैं। साथ ही सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन एवं आवश्यक समन्वयक के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जारी आदेश के अनुसार कानून व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया व कार्यपालिक दंडाधिकारी महेन्द्र पटैल, परिवहन व्यवस्था के लिए जिला परिवहन अधिकारी रवि बरेलिया,को दायित्व सौंपे गए हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत

गोटेगांव। थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय विनीत विश्वकर्मा की मौत हो गई। यह घटना छिंदोरी रेलवे ब्रिज के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार कार (MP 09 WB 9211) ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, हादसे में उनका एक पैर पूरी तरह अलग हो गया था और दूसरे पैर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी वाहन चालक की तलाश जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से आई और टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गई।

जनपद पंचायत परिसर में खुला चैंबर बना खतरा

गोटेगांव। जनपद पंचायत कार्यालय परिसर के पास स्थित एक खुला चैंबर राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। जिम्मेदार विभाग की लापरवाही के चलते यह गड्ढा आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है।व्यस्त क्षेत्र होने के कारण यहां से गुजरने वाले बच्चे, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक अक्सर इसकी चपेट में आकर घायल हो रहे हैं।स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों में इसको लेकर आक्रोश व्याप्त है।नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही चैंबर को सुरक्षित नहीं किया गया, तो वे उग्र प्रदर्शन करेंगे।

हवाला के मायाजाल में फंस रही युवा पीढ़ी जवाबदारों की चुप्पी और सुस्ती पर उठ रहे सवाल

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में हवाला कारोबार और अवैध वित्तीय लेन देन का नया केंद्र बनता जा रहा है। चंद रुपयों के लालच में क्षेत्र की युवा पीढ़ी इस खतरनाक दलदल में धंसती जा रही है। लेकिन विडंबना यह है कि कानून के रखवाले और बैंकिंग संस्थान अपनी आंखें मूंदकर बैठे हैं। स्थानीय स्तर पर हो रहे लाखों करोड़ों के संदिग्ध लेन देन ने अब कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस की भूमिका पर संदेहः क्या कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकता?

क्षेत्र में चर्चा है कि हवाला कारोबार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि अब खुलेआम युवाओं को कमीशन का झांसा देकर उनके बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ताज्जुब की बात यह है कि पुलिस का खुफिया तंत्र पूरी तरह से फेल नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस को सब पता होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। क्या यह पुलिस की लापरवाही है या फिर किसी बड़े संरक्षण का परिणाम? पुलिस की इस निष्क्रियता ने अपराधियों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। पिछले दिनों में तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में दूसरे प्रांतों की पुलिस ने स्वयं यहां पर पहुंच कर दविश दी थी लेकिन खाली हाथ ही वापिस लौट गई थी। और जिनके नाम चर्चाओं में थे अब वे खुलेआम घूम रहे हैं।

बैंकों की लापरवाही नए खातों में अचानक कैसे आ रहे लाखों रुपये

सिर्फ खाकी ही नहीं बल्कि बैंकिंग व्यवस्था भी इस खेल में बराबर की जिम्मेदार नजर आ रही है। नियमानुसार किसी भी नए या सामान्य खाते में अचानक होने वाले बड़े और संदिग्ध लेन देन की सूचना 'सस्पेंस अकाउंट एक्टिविटी' के तहत उच्च अधिकारियों को दी जानी चाहिए। लेकिन तेंदूखेड़ा में बैंकों की चुप्पी संदिग्ध है। आखिर कैसे साधारण परिवारों के युवाओं के खातों में रातों-रात लाखों का ट्रांजेक्शन हो रहा है? क्या बैंक मैनेजर और कर्मचारी इन खातों की निगरानी करने में असमर्थ हैं या जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? जिन खातेदारों के बैंक एकाउंट में इतनी बड़ी राशि आ रही है उनके एपीएम कार्ड स्वयं जालसाजों के हाथ में रहते हैं।

युवा पीढ़ी पर मंडरा रहा खतरा

हवाला कारोबारी उन युवाओं को निशाना बना रहे हैं जो जल्दी पैसा कमाने की चाह रहते हैं। उन्हें कुछ हजार रुपयों का लालच देकर उनके आईडी और बैंक खातों का दुरुपयोग किया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह पैसा न केवल टैक्स चोरी बल्कि अन्य असामाजिक गतिविधियों से भी जुड़ा हो सकता है। यदि समय रहते पुलिस और प्रशासन ने लगाम नहीं कसी तो तेंदूखेड़ा के सैकड़ों युवाओं का भविष्य सलाखों के पीछे हो सकता है।

मुख्य बिंदु जो प्रशासन से जवाब मांगते हैं

पुलिस ने अब तक संदिग्ध खाताधारकों से पूछताछ क्यों नहीं की?

क्या बैंकों ने संदिग्ध लेन-देन की रिपोर्ट जिला प्रशासन या इनकम टैक्स विभाग को दी है?

क्षेत्र के युवाओं को जागरूक करने के लिए प्रशासन ने क्या कदम उठाए हैं।

इनका कहना है

क्षेत्र में संदिग्ध लेन देन और युवाओं के भटकाव की खबरें चिंताजनक हैं।यदि जवाबदार पक्षों द्वारा इस फैलते कारोबार पर तत्काल ध्यान नहीं देती है तो यह एक बड़े संगठित अपराध का रुप ले सकता है।

ठा दिनेश सिंह एडवोकेट

हबाला और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन को लेकर तेंदूखेड़ा क्षेत्र में जो स्थितियां उभर रहीं हैं वे कानून की दृष्टि से अत्यंत गंभीर है। और अपराध की श्रेणी में आती हैं जब कोई व्यक्ति अपने बैंक खातों को किसी अन्य व्यक्ति के अवैध लेन देन के लिए इस्तेमाल करने देता है भले ही अनजाने में ही सही मनी लांड्रिंग और हबाला जैसे अपराधों में सहभागी बन जाता है।

सुनील पटेल एडवोकेट तेंदूखेड़ा